an>

Title: Regarding abolition of stock limit of Mung Dal.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं पश्चिमी राजस्थान की एक समस्या के बारे में अवगत कराना चाहता हूं। इस वÂाऩ जो रेनफॉल हुई है, अंतिम समय में रेनफॉल न होने से सारी फसलें 35औ से 45औ ही पैदावार हुई है, विशेÂा तौर से मूंग जिसकी दाल बनती है। महाराÂट्र में अच्छी पैदावार न होने से इस वÂाऩ मूंग के अच्छे भाव मिल रहे थे उनकी अच्छी कीमत मिल रही थी, इसी बीच सरकार के द्वारा स्टॉक लिमिट कर देने से व्यापारियों ने कृÂि ऊपज मंडियों से खरीदना बंद कर दिया। मैं आपके माध्मय से भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि मूंग प्रोड्यूसिंग एरिया में कृÂि ऊपज मंडी के ऊपर नहीं स्टॉक लिमिट न लगाया जाए, दूसरी जगह जैसे महाराÂट्र में स्टॉक किया जाता है, बड़े शहरों में किया जाता है उसे वहां लिमिट किया जाए। आज किसान का माल न खरीदे जाने से किसान परेशान है व्यापारियों ने अपने हाथ बिल्कुल खड़े कर दिए हैं क्योंकि स्टॉक लिमिट बहुत कम है इस कारण मंडियों में माल जा रहा है और वह वहीं पड़ी रहती है फिर उसे वापस लाना पड़ता है। अतः आप सरकार को निर्देशित करें कि जहां मूंग की प्रारंभिक कृÂि ऊपज मंडी है वहां पर वहां छोटे व्यापरियों के ऊपर स्टॉक सीमा न लागू किया जाए और जिससे किसानों का माल बिक सके।